मध्य प्रदेश में विशेष पिछड़ी जनजातियों का कल्याण और विकास

1619. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) किन-किन प्रदेशों में कतिपय अनुसूचित जनजातियों को विशेष पिछड़ी जनजातियों के रूप में मान्यता दी गई है और ऐसी अनुसूचित जनजातियां कौन-कौन सी हैं;

(ख) वर्ष 1994-95 और 1995-96 के दौरान केन्द्रीय सरकार ने इन राजय सरकारों को विकास और कल्याण के लिये कितनी धनराशि प्रदान की और वह राशि किन-किन योजनाओं के अधीन प्रदान की गई;

(ग) मध्य प्रदेश में निवास कर रही इन जनजातियों के घरों को पक्की सड़कों से जोड़ने हेतु कितनी धनराशि दी गई और नवम्बर, 1996 तक कितनी धनराशि सड़कों का निर्माण करने में व्यय हुई और कितनी सड़कों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है; और

(घ) इन जनजातियों के कल्याण और विकास के संबंध में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है?

कल्याण मंत्रालय (श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया): (क) कोई अनुसूचित जनजाति को विशेष पिछड़ी जनजातियों के रूप में मान्यता नहीं दी गई है। लेकिन कल्याण मंत्रालय द्वारा कुछ आदिवासी समुदायों को आदिम आदिवासी समूहों के रूप में पहचान की गई है। राज्यों के ब्यौरे तथा आदिम आदिवासी समुदायों के नाम विवरण-I के अनुसार सभापटल पर रख दिए गए हैं। **(नीचे देखिए)**।

(ख) से (घ) कल्याण मंत्रालय आदिवासी उप-योजना नीति के अंतर्गत प्रदान की गई कुल विशेष केन्द्रीय सहायता में से आदिम आदिवासी समूहों के विकास के लिए राज्यों को विशेष केन्द्रीय सहायता (एस०सी०ए०) प्रदान करता रहा है। वर्ष 1994-95 तथा 1995-96 के दौरान इन आदिवासियों के एकमात्र विकास के लिए विशेष केन्द्रीय सहायता के अंतर्गत इन राज्यों को प्रदान की गई धनराशि के ब्यौरे विवरण-II के अनुसार सभा पटल पर रख दिए गए हैं। **(नीचे देखिए)** विशेष केन्द्रीय सहायता मुख्य रूप से परिवारोन्मुखी आय सृजक योजनाओं के लिए है जिसमें ऐसी योजनाओं के लिए प्रासंगिक अवसंरचना को पर्याप्त तरजीह दी जाती है।

नौवीं योजना में एक नई योजना शुरू की जानी है जिसका लक्ष्य आदिम आदिवासी समूह के स्वीकृत विकास से है।

विवरण-II

अनुमोदित आदिम जनजाति समूहों की सूची

1.	आन्ध्र प्रदेश	1. बोडो गडाबा
		2. बांद्धो पोराजा
		3. चचु
		4. डोंगरिया, खोंइस
		5. गुटोब गडबा
		6. खोंड पोरोजा
		7. कोलम
		8. कोंडारेडीस
		9. कोंडा सारास
		10. कुटिया कोंडस
		11. पारगी पोरजा
		12. थोटी
2.	बिहार	13. असुर
		14. बिरहोर
		15. बिरजिया
		16. खारिया
		17. कोरवा
		18. मालफारिया
		19. पहरिया
		20. सौरिया पहारिया
		21. सावर
3.	गुजरात	22. काथोड़ी
		23. कोतवालिया
		24. पाधार
		25. सिद्दी
		26. कोलधा
4.	कर्नाटक	27. जेनु कोरवा
		28. कोरगा
5.	केरल	29. चोलामायकन (कतुनटयाकन का एक वर्ग)
		30. कादर
		31. कतुनथाकन
		32. खुम्बस
		33. कोरागा

6.	मध्य प्रदेश	34. अबुझा मारिया
		35. बैगा
		36. भेरिया
		37. हिल कोरवा
		38. कामर
		39. सहरिया
		40. बिरहोर
7.	महाराष्ट्र	41. कटकरिया (काथोर्ड)
		42. कोलम
		43. मारिया गोंड
8.	मणिपुर	44. मारम नागा
9.	उड़ीसा	45. बिरहोर
		46. बोडो
		47. दिदमी
		48. डोंगरिया खोंड
		49. जुआग
		50. खारिया
		51. कुटिया खोंड
		52. लांजिया सौरा
		53. लोध
		54. मंकरिडिया
		55. पौडी भुयान
		56. सीरा
		57. चुकतिया भुंजिया
		58.
10.	राजस्थान	58. सेहरियाज
		59. कट्टु
11.	तमिलनाडु	59. नायकन्स
		60. कोटाज
		61.कुरूम्बाज
		62. टुरूलास
		63. पनियान्स
		64. टेडास
12.	त्रिपुरा	65. रेंग्स
13.	उत्तर प्रदेश	66. बुक्साज
		67. राजिस
14.	प० बंगाल	68. बिहोर
		69. लोदाज
		70. रोटोस
15.	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	71. ग्रेट अंडमाजीज
		72. जारावाज
		73. ओंग्स
		74. सेंटेनेजीज
		75. शोम्पन्स

विवरण-II

वर्ष 1994-95 और 1995-96 के दौरान आदिम जनजाति समूहों के लिए विशेष केन्द्रीय सहायता के आवंटन को दर्शाने वाला विवरण

रुपए लाख में

क्रम सं०	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	1994-95	1995-96
1.	आन्ध्र प्रदेश	170.73	202.49
2.	बिहार	139.57	170.31
3.	गुजरात	41.01	49.41
4.	कर्नाटक	18.65	22.20
5.	केरल	20.08	23.28
6.	मध्यप्रदेश	236.44	282.62
7.	महाराष्ट्र	174.00	209.85
8.	मणिपुर	9.16	6.18
9.	उड़ीसा	58.70	74.38
10.	राजस्थान	17.12	20.67
11.	तमिलनाडु	108.70	128.92
12.	त्रिपुरा	60.45	74.52
13.	उत्तर प्रदेश	20.94	25.22
14.	पश्चिम बंगाल	48.29	51.75
15.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	12.05	14.25
		1130.89	1356.00

"Drought Drives them to Mortgage Children"

1620. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item which